

# केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा

## Kendriya Vidyalaya Indrapura



Vidyalaya  
Patrika

2017-18

&

2018-19



विद्यालय  
पत्रिका

2017-18

एवं

2018-19

Website: <https://inderpura.kvs.ac.in> email: [kvindrapura@yahoo.com](mailto:kvindrapura@yahoo.com)

Phone: 01594-234555

# केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा

विद्यालय पत्रिका सत्र 2017-18 एवं 2018-19

## सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

सम्पादक (हिंदी)

सम्पादक (अंग्रेजी)

सम्पादक (संस्कृत)

सम्पादक (प्राथमिक विभाग)

छात्र सम्पादक (हिंदी)

छात्र सम्पादक (अंग्रेजी)

छात्र सम्पादक (संस्कृत)

श्री रवींद्र कुमार, प्राचार्य

श्री ओम प्रकाश, पीजीटी (हिंदी)

श्री सुखपाल सिंह, पीजीटी (अंग्रेजी)

श्री मुकेश कुमार खटीक, टीजीटी (संस्कृत)

श्री मनोज कुमार वर्मा, प्राथमिक शिक्षक

निकिता, कक्षा 12वीं

प्रतीक कुमार, कक्षा 12वीं

तनु असवाल, कक्षा 10वीं



पहली पंक्ति (बाएं से दाएं बैठे हुए)

: श्री मनोज कुमार वर्मा, श्री सुखपाल सिंह, श्री रवींद्र कुमार,  
श्री ओम प्रकाश, श्री मुकेश कुमार खटीक

दूसरी पंक्ति (बाएं से दाएं खड़े हुए)

: निकिता, प्रतीक कुमार, तनु असवाल



**Santosh Kumar Mall, IAS**  
Commissioner, KVS



**केन्द्रीय विद्यालय संगठन**  
**Kendriya Vidyalaya Sangathan**

18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg  
New Delhi - 110016 (India)

Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680

E-mail : commissioner@kvsedu.org

Website : www.kvsangathan.nic.in

## MESSAGE

*I am happy to know that Kendriya Vidyalaya Indrapura is bringing out its Vidyalaya Patrika for the sessions 2017-18 and 2018-19 in digital form. It is a good initiative by the school towards saving paper and thus helping us protect tree.*

*It is through this Patrika that most of the students get introduced to writing and expressing themselves. The Vidyalaya Patrika is a treasured article containing memories of teachers, classmates, friends, achievements and our first infant steps into creativity. In later years, we all flip through these pages reviving these memories.*

*This activity should, therefore, be encouraged by the Principal and teachers to make this into a true mirror of the school's and students' achievements.*

*On this endeavour of your school I convey my best wishes to the entire staff & students.*

**(Santosh Kumar Mall)**



यशपाल सिंह



## केन्द्रीय विद्यालय संगठन Kendriya Vidyalaya Sangathan

क्षेत्रीय कार्यालय / REGIONAL OFFICE  
92 गांधी नगर मार्ग, 92 Gandhi Nagar Marg  
बजाज नगर, जयपुर / Bajaj Nagar, Jaipur 302015

Website : [www.kvsjaipur.nic.in](http://www.kvsjaipur.nic.in)  
E-mail : [kvsjpr@gmail.com](mailto:kvsjpr@gmail.com)/[kvsjpr@rediffmail.com](mailto:kvsjpr@rediffmail.com)  
Tel. : 0141-2704572, Fax : 0141-2706882

### संदेश

प्रिय श्री रवींद्र कुमार,

यह प्रसन्नता की बात है कि केन्द्रीय विद्यालय इंदूरपुरा अपनी विद्यालय पत्रिका सत्र 2018-19 का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देती है। पत्रिका में अपनी रचना छपी देख एवं पढकर छात्र अत्यंत आनंदका अनुभव करते हैं, साथ ही भविष्य में कुछ खास करनेके लिए तत्पर हो जाते हैं। छात्रों की रचानाओं को संवार कर प्रकाशित करने से उनको अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन मिलता है। कविताओं, संस्मरण एवं आलिखों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में साहित्यिक गतिविधियों के विकास का एक अनुपम अवसर प्राप्त होता है।

पत्रिका विद्यालय की प्रगति और गतिशीलता का दर्पण होती है। समाज अपनी इस पत्रिका के माध्यम से अपनी अगली पीढी का भविष्य आंकता है। इस अर्थ में पत्रिका छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालय को दीर्घायु और यशस्वी बनाने में मदद करती है। मुझे विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका न केवल विद्यालय की विशेष उपलब्धियों को रेखांकित करेगी अपितु सभी गतिविधियों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत करेगी।

आपके इस प्रयास के लिए समस्त विद्यालय परिवार व पत्रिका के सम्पादकीय मण्डल को मेरी शुभकामनाएं।

आपका शुभेच्छु

  
(यशपाल सिंह)

श्री रवींद्र कुमार,  
प्राचार्य,  
केन्द्रीय विद्यालय इंदूरपुरा



RAVI JAIN, IAS.



सत्यमेव जयते

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
झुंझुनूं – 333001

District Collector & District Magistrate  
Jhunjhunu – 333001

## MESSAGE

It is a matter of pride to pen down the message for the annual school magazine of Kendriya Vidyalaya Indrapura. My heart fills with immense pleasure as I perceive the progress being made at Kendriya Vidyalaya Indrapura.

The seed of an idea sown in 2011 has quickly come to fruition and the school is growing into strong sapling. It is the endeavour of you and your team to make the environment academic like a smooth Journey full of joy and discovery.

The school magazine is a platform for the students to express their creative pursuit which develops in them originality of thought and perception. The contents of the magazine reflect the wonderful creativity of thoughts and imagination of our KVians.

I extend my best wishes to the principal, staff and students of Kendriya Vidyalaya Indrapura to continue this journey on the road of excellence.

(Ravi Jain)

The Principal,  
Kendriya Vidyalaya Indrapura  
Distt. Jhunjhunu



Hawai Singh Yadav, RAS



सत्यमेव जयते

उपखण्ड अधिकारी, उदयपुरवाटी

जिला झुंझुनू – 333307

Sub-Divisional Officer, Udaipurwati

Distt. Jhunjhunu – 333307

## MESSAGE

*I am happy to know that Kendriya Vidyalaya Indrapura is bringing out its annual magazine for the academic year 2018-19. I hope that the magazine will provide an opportunity to the students to express their views and ideas freely thus enabling them to develop their creative, literary, imaginative and artistic skills.*

*I am sure that the magazine will be rich in content and elegant in appearance.*

*I extend my grand wishes to the magazine's editorial board and academic fraternity there.*

(Hawai Singh Yadav)

*The Principal*

*Kendriya Vidyalaya Indrapura*

*Distt Jhunjhunu (Raj)*



केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा  
KENDRIYA VIDYALAYA INDRAPURA  
Tehsil Udaipurwati, Distt Jhunjhunu  
<https://inderpura.kvs.ac.in>  
[kvindrapura@gmail.com](mailto:kvindrapura@gmail.com)  
01594-234555

## संदेश

प्रिय विद्यार्थियों और अभिभावकों

विद्यालय पत्रिका का नया अंक आपके हाथों में है। सत्र 2017-18 और 2018-19 के दौरान हुई विविध गतिविधियों के लेखे-जोखे सहित नन्हे मुन्ने बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की रचनाओं सहित यह पत्रिका आपके समक्ष विद्यालय का एक समग्र चित्र प्रस्तुत करने का प्रयास है।

विद्यालय परिवार सभी छात्रों के लिए आकर्षक और फलदायी अधिगम अनुभव तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। केंद्रीय विद्यालय का उद्देश्य है विद्यार्थियों में नेतृत्व कौशल, सामाजिक और भावनात्मक कौशल, और शैक्षणिक कौशल विकसित करना, जो छात्रों को न केवल स्कूल में बल्कि करियर, रिश्तों और जीवन भर सीखने में सफलता के लिए तैयार करता है। छात्रों को शिक्षार्थियों के रूप में बढ़ने के लिए उच्च चुनौती और उच्च समर्थन दोनों की आवश्यकता होती है, और हम छात्रों को केवी में उनके विकास को अधिकतम करने में मदद करने के लिए तत्पर हैं।

हमें अपने छात्रों से बहुत उम्मीदें हैं, और हमें उम्मीदें हैं अपने आप से कि हम सभी छात्रों को अच्छी तरह सीखने, जिम्मेदार नागरिक बनने और विचारकों के रूप में विकसित होने में मदद कर सकें। आपके छात्र को स्कूल में सफल होने में मदद करने के लिए, उन्हें यह समझने में मदद करें कि कक्षा के अंदर और बाहर एक अच्छे शिक्षार्थी होने के लिए उनकी क्या आवश्यकता है। उनसे सद्गुणों और अधिगम व्यवहार के बारे में बात करें जैसे कि : सकारात्मक जोखिम लेना, त्रुटियों को अवसरों के रूप में देखना, गलती से उबरने के लिए काम करना, प्रतिक्रिया देना और प्राप्त करना, सवाल पूछना, साथियों के साथ सहयोग करना, लक्ष्य निर्धारित करना, एक उद्देश्य के साथ योजना बनाना, और अपनी स्वयं की प्रगति पर नज़र रखना।

सदा अपडेट रहने के लिए हमारी वेबसाइट <https://inderpura.kvs.ac.in/> पर आते रहें। यदि आपके कोई प्रश्न या चिंताएँ हैं, तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। आप हमें [kvindrapura@gmail.com](mailto:kvindrapura@gmail.com) या 01594234555 पर संपर्क कर सकते हैं। हम आपको अपने काम में भागीदार बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

(रवीन्द्र कुमार)



## संपादकीय

विद्यालय वह बगिया है जिसमें विद्यार्थी रूपी पौधों को शिक्षक रूपी माली के द्वारा अपनी कड़ी मेहनत एवं लग्न के द्वारा निरंतर सींचा जाता है एवं उनमें अव्यक्त प्रतिभा रूपी कलियों को ज्ञान रूपी फूलों के रूप में खिलने का अवसर प्रदान किया जाता है।

विद्यार्थियों के मौलिक चिंतन को बढ़ावा देने एवं उनमें अंतर्निहित सृजनशीलता को विकसित करने में विद्यालय पत्रिका की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह विद्यार्थियों में छिपी बहुमुखी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। केन्द्रीय विद्यालय वह ज्ञान स्थली है जहाँ विद्यार्थियों की अव्यक्त प्रतिभा को निरंतर अभ्यास के द्वारा निखारा जाता है। जहाँ प्रतिभा को प्रतिपल विकसित होते हुए अपने उज्वल स्वरूप को धारण करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

सत्र 2017-18 में विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन नहीं किया जा सका था इसलिए सत्र 2018-19 की इस पत्रिका के अंक के साथ इसका प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विद्यालय के नौनिहाल एवं किशोरों की प्रतिभा को प्रतिबिम्बित करने का एक छोटा-सा प्रयास किया गया है एवं उनमें छिपी रचनात्मक अभिवृत्ति को उभारने का प्रयास किया गया है। विद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति पथ को रेखांकित करती विद्यालय पत्रिका के इस अंक को पाठकगण के कर-कमलों में प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है।

विद्यालय की विभिन्न शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों की एक झलक प्रस्तुत करती इस पत्रिका के सफल संपादन के लिए मैं विद्यालय के प्राचार्य महोदय, अपने समस्त सहयोगियों एवं स्नेही विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित

(ओमप्रकाश)  
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)



# अतीत के पन्नों से



## अस्थाई भवन में संचालन के दौरान विद्यालय की विभिन्न गतिविधियां



# अतीत के पन्नों से



## अस्थाई भवन में संचालन के दौरान विद्यालय की विभिन्न गतिविधियां



सत्र 2017-18



# वार्षिक निरीक्षण



श्री जयदीप दास,  
उपायुक्त, के.वि.सं, जयपुर  
सम्भाग

औचक निरीक्षण के  
दौरान विद्यार्थियों से  
रूबरु होते हुए



डॉ. श्रीमती वी. गौरी,  
सहायक आयुक्त, के.वि.सं,  
जयपुर सम्भाग  
के निर्देशन में वार्षिक पैनल निरीक्षण  
के दौरान विद्यालय की छात्राएं  
बुलबुल घेरे में टीम का स्वागत करते  
हुए

श्री मुकेश कुमार,  
सहायक आयुक्त, के.वि.सं,  
जयपुर सम्भाग  
औचक निरीक्षण के दौरान आवश्यक  
निर्देश होते हुए



सत्र 2018-19



विद्यालय गतिविधियां: एक नजर में



केंद्रीय विद्यालय  
संगठन स्थापना  
दिवस पर सांस्कृतिक  
प्रस्तुति देते विद्यार्थी



उप-संकुल स्तरीय  
सीएमपी कार्यक्रम में  
सांस्कृतिक प्रस्तुति देते  
विद्यार्थी (बाएं ओर)

बाल दिवस पर विचित्र  
वेशभूषा कार्यक्रम में  
नन्हे-मुन्हे विद्यार्थी (नीचे)



श्री शिवपाल जाट, उपखण्ड अधिकारी (नामित अध्यक्ष) की  
अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक



उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार छात्र अविनाश यादव को वार्षिक खेलकूद दिवस पर सम्मानित करते हुए

गणतंत्र दिवस पर उत्कृष्ट बोर्ड परीक्षा परिणाम के लिए प्राचार्य को सम्मानित करते विधायक जी, उपखण्ड अधिकारी एवं अन्य





## विद्यालय के नव-निर्मित भवन के उद्घाटन समारोह की कुछ झलकियां



विद्यालय के नव-निर्मित भवन के उद्घाटन के अवसर पर मंचस्थ मुख्य अतिथि श्रीमती संतोष अहलावत (सांसद, झुंझुनूं) एवं विशिष्ट अतिथि श्री शोभकराण चौधरी (विधायक, उदयपुरवाटी), श्री शिवपाल जाट (उपखण्ड अधिकारी), श्री ए. ज्योति कुमार (सहायक आयुक्त, के.वि.सं), श्री मुकेश कुमार (सहायक आयुक्त, के.वि.सं), निर्माण एजेंसी के अधिकारी एवम विद्यालय के प्राचार्य श्री रवींद्र कुमार



विद्यालय के नव-निर्मित भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती संतोष अहलावत (सांसद, झुंझुनूं) एवं विशिष्ट अतिथि श्री शोभकराण चौधरी (विधायक, उदयपुरवाटी), निर्माण एजेंसी के अधिशाषी अभियंता श्री अवधेश वर्मा व विद्यालय के प्राचार्य श्री रवींद्र कुमार



## विद्यालय के नव-निर्मित भवन के उद्घाटन समारोह की कुछ झलकियां



मुख्य अतिथि का स्वागत करते विद्यालय के प्राचार्य



उपस्थित जन-समूह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि



मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते सहायक आयुक्त



नामित अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह भेंट करते सहायक आयुक्त



विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते सहायक आयुक्त



कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण एवं अभिभावकगण

# खबरों में हमारा विद्यालय

## केवी इंद्रपुरा के भवन का लोकार्पण आज

केवी इंद्रपुरा के भवन का लोकार्पण आज...  
भवन का लोकार्पण...  
केवी इंद्रपुरा के भवन का लोकार्पण आज...  
भवन का लोकार्पण...

## जोती राष्ट्रीय शतरंज चैम्पीयनशिप

उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा की छात्रा अंजुबाल ने गोवा में आयोजित हुई राष्ट्रीय शतरंज चैम्पीयनशिप प्रतियोगिता जीतकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रधान रवीन्द्र कुमार ने बधाई फोन देकर अंजुबाल को बधाई दी। अंजुबाल के दादाजी ने भी अंजुबाल को बधाई दी। अंजुबाल ने कहा कि वह बहुत खुश है और वह अपने दादाजी और पिता से बहुत प्रेरणा लेती है।

## अंजु बाला ने राष्ट्रीय शतरंज चैम्पीयनशिप

अंजु बाला ने राष्ट्रीय शतरंज चैम्पीयनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। अंजुबाल ने कहा कि वह बहुत खुश है और वह अपने दादाजी और पिता से बहुत प्रेरणा लेती है।



अंजु बाला ने राष्ट्रीय शतरंज चैम्पीयनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। अंजुबाल ने कहा कि वह बहुत खुश है और वह अपने दादाजी और पिता से बहुत प्रेरणा लेती है।

## केरल बाढ़ पीड़ितों को केन्द्रीय विद्यालय ने दी आर्थिक सहायता

उदयपुरवाटी। कस्बे के निकटवर्ती गांव इंद्रपुरा में केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने केरल में बाढ़ पीड़ितों को मदद के लिए 12000 की आर्थिक सहायता दी है। आर्थिक सहायता का चेक उदयपुरवाटी उपखंड अधिकारी शिवालय जी को भेज दिया गया। केन्द्रीय विद्यालय प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने 1 दिन की बतन 3000 सहित 15000 का चेक केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजा गया है। इस दौरान केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अन्य संगठनों व समाजसेवा संगठनों से आमजन को केरल बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने की अपील की है।

### उदयपुरवाटी, पुलवामा के आतंकीयों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए शहीद शयोराम के परिवार को राष्ट्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा की ओर आर्थिक सहायता दी गई।

### प्रधानाचार्य रवीन्द्र कुमार ने



## उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के नए भवन में नवरात्र के चौघोषण किया गया।

उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के नए भवन में नवरात्र के चौघोषण किया गया। अखिलेश्वर समिति की ओर से विद्यालय के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अखिलेश्वर समिति के अध्यक्ष विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार के साथ में शामिल हुए।

## उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के नए भवन में नवरात्र के चौघोषण किया गया।

उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के नए भवन में नवरात्र के चौघोषण किया गया। अखिलेश्वर समिति की ओर से विद्यालय के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अखिलेश्वर समिति के अध्यक्ष विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार के साथ में शामिल हुए।

## केन्द्रीय विद्यालय में दी 1000 से अधिक पुस्तकें

इन्द्रपुरा/उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में सोमवार को पुस्तकपोषण कार्यक्रम रखा गया। बच्चों ने अपनी पुरानी पुस्तकें जबरनतम बच्चों को उपहार स्वरूप दी। प्रिंसीपल रवींद्र सिंह ने कहा कि पुरानी पुस्तकें काम में लेने से एक तरफ पेड़ों का संरक्षण होगा तथा दूसरी तरफ गरीब बच्चों की मदद हो सकेगी। प्रिंसीपल रवींद्रसिंह के मुताबिक केवीएस इंद्रपुरा में प्रथम कक्षा के लिए प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

## समूह गान में इंद्रपुरा की टीम रही प्रथम

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा की टीम ने समूह गान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिंसीपल रवींद्र कुमार के मुताबिक केन्द्रीय विद्यालयों के सीकर उपसंकुल पर आयोजित कार्यक्रम में केवी सीकर, खेतड़ी, दुर्धन, चूरू व इंद्रपुरा के 200 बच्चों ने भाग लिया। केवी इंद्रपुरा की हार्षिता शेखावत ने एकल नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बच्चों ने समूह गान, एकल नृत्य, हिंदी व अंग्रेजी नाटक, मूक अभिनय आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उन्होंने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार 9 फरवरी तक पांचवी तक के बच्चों की छुट्टी तथा छुट्टी से 12वीं तक के बच्चों की कक्षाएं लगेगी।

## 1.5 लाख के चेक व सरकारी रकूतों की बेटियों को साइकिल बांटी

उदयपुरवाटी। 1.5 लाख के चेक व सरकारी रकूतों की बेटियों को साइकिल बांटी...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा की टीम ने समूह गान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिंसीपल रवींद्र कुमार के मुताबिक केन्द्रीय विद्यालयों के सीकर उपसंकुल पर आयोजित कार्यक्रम में केवी सीकर, खेतड़ी, दुर्धन, चूरू व इंद्रपुरा के 200 बच्चों ने भाग लिया। केवी इंद्रपुरा की हार्षिता शेखावत ने एकल नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बच्चों ने समूह गान, एकल नृत्य, हिंदी व अंग्रेजी नाटक, मूक अभिनय आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उन्होंने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार 9 फरवरी तक पांचवी तक के बच्चों की छुट्टी तथा छुट्टी से 12वीं तक के बच्चों की कक्षाएं लगेगी।

## उदयपुरवाटी, शहीद शयोराम की वीरगाना को चैंक प्रदान करते प्राचार्य रविन्द्र कुमार।

उदयपुरवाटी, शहीद शयोराम की वीरगाना को चैंक प्रदान करते प्राचार्य रविन्द्र कुमार। बताया कि पुलवामा में आतंकी मुठभेड़ में शहीद हुए शयोराम के परिवार को विद्यालय की ओर से हजार रुपए का चेक सहायता दी गई है।

## परिसर में 150 पीपे लगाए गए।

पौधारोपण से पूर्व एसीएम शिवालय जाट की अध्यक्षता में गठित विद्यालय अनुविधान समिति की ओर से विद्यालय के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अखिलेश्वर समिति के अध्यक्ष विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार के साथ में शामिल हुए।

## वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम...

## विरोध के बीच इंद्रपुरा में केन्द्रीय विद्यालय के भवन का लोकार्पण

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के भवन का लोकार्पण...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के भवन का लोकार्पण...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के भवन का लोकार्पण...

## इंद्रपुरा/उदयपुरवाटी केन्द्रिय विद्यालय इन्द्रपुरा के स्टाफ व बच्चों ने 11 हजार रुपए एकत्रित कर पुलवामा हमले में शहीद हुए शयोराम गुर्जर की वीरगाना सुनिता देवी को डिमांड ड्राफ्ट भेंट किया।

इंद्रपुरा/उदयपुरवाटी केन्द्रिय विद्यालय इन्द्रपुरा के स्टाफ व बच्चों ने 11 हजार रुपए एकत्रित कर पुलवामा हमले में शहीद हुए शयोराम गुर्जर की वीरगाना सुनिता देवी को डिमांड ड्राफ्ट भेंट किया। प्रिंसीपल रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीबा पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने शहीद के घर जाकर श्रद्धांजलि दी। उसकी वीरगाना को डिमांड भेंट किया।

## केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...

## वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...

## रायदान रही प्रथम

उदयपुरवाटी। सड़क सुरक्षा सप्ताह के समापन पर सोमार को बस स्टैण्ड धर्मशाला में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसीएम शिवालय जाट ने की। इस दौरान सड़क सुरक्षा पर संदेश व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता में केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा रायदान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरा स्थान शुभम अग्रवाल और तीसरा स्थान अजना सेनी प्राप्त किया। विजेता छात्रों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

## में मनाया गणतंत्र

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में गणतंत्र दिवस का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दी

## केन्द्रीय विद्यालय परिवार ने वीरगाना को दिए 11000 रु.

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के स्टाफ व बच्चों ने 11 हजार रुपए एकत्रित कर पुलवामा हमले में शहीद हुए शयोराम गुर्जर की वीरगाना सुनिता देवी को डिमांड ड्राफ्ट भेंट किया। प्रिंसीपल रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीबा पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने शहीद के घर जाकर श्रद्धांजलि दी। उसकी वीरगाना को डिमांड भेंट किया।

## केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा के बच्चों को स्पीक मैके के कलाकारों ने दी लोकगीतों की जानकारी...

## वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया

उदयपुरवाटी। केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...  
उदयपुरवाटी, केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने गुजराती, राजस्थानी नृत्य किया...



## हमारी कहानी, तस्वीरों की जुबानी

निर्माणाधीन भवन के निर्माण कार्य का मुआयना करती अनुवीक्षण समिति



न्यूनतम साझा कार्यक्रम के अंतर्गत संकुल स्तरीय बैठक



विदाई के क्षण



पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में विद्यार्थियों, अभिभावकों की भागीदारी तथा पुरस्कार वितरण



नए विद्यालय भवन के उदघाटन समारोह के अवसर पर उपस्थित स्टाफ





### स्टाफ 2017-18

(बाएं से दाएं) पहली पंक्ति (बैठे हुए) : श्री महेंद्र सिंह (टीजीटी सा.वि), श्री महिपाल सिंह (पीजीटी भौ.वि.), श्री अश्वनी (पीजीटी कम्प्यू. वि.), श्री रवींद्र कुमार (प्राचार्य), श्री रवींद्र कुमार (पीजीटी गणित), श्री सुरेंद्र कुमार कानवा (लाइब्रेरियन), श्री ताराचंद सैनी (व.स.स.)  
(बाएं से दाएं) दूसरी पंक्ति (खड़े हुए) : श्रीमती सुमन चाहर (संविदा शिक्षक), सुश्री कविता कुमारी (प्राथमिक शिक्षक), श्रीमती लक्ष्मी कुमारी (प्राथमिक शिक्षक), श्रीमती सविता कुमारी मीणा (प्राथमिक शिक्षक), श्री मनोज कुमार वर्मा (प्राथमिक शिक्षक), श्री रामलाल मीणा (टीजीटी स्वा.शा.शि.) श्री जितेश कुमार सैनी ( टीजीटी का.अ.) श्री देवेंद्र कुमार सैन ( पीजीटी रसायन वि.) श्री विमलेश कुमार यादव  
(बाएं से दाएं) तीसरी पंक्ति (खड़े हुए) : श्री प्रेम प्रकाश सैनी ( योग प्रशिक्षक) श्री कालू राम )अधिनस्थ स्टाफ) श्री ओमप्रकाश (प्राथमिक शिक्षक) श्री मुकेश कुमार खटीक (टीजीटी संस्कृत). श्री रामदयाल बोरेठ (प्रा.शि. संगीत). श्री सुरेंद्र कुमार मीणा (टीजीटी गणित). श्री हिम्मत सिंह (टीजीटी अंग्रेजी). श्री दिनेश कुमार सोनी (पीजीटी जीव विज्ञान)



### स्टाफ 2018-19

पहली पंक्ति (बाएं से दाएं): श्रीमती मोनिका, पीजीटी (अंग्रेजी), श्री देवेन्द्र कुमार सैन, पीजीटी (रसायन वि.), श्री ओमप्रकाश, पीजीटी (हिन्दी), श्री रवीन्द्र कुमार पीजीटी (गणित), श्री रवीन्द्र कुमार (प्राचार्य), श्री महिपाल सिंह, पीजीटी (भौतिक वि.), श्री दिनेश कुमार सोनी, पीजीटी (जीव वि.), श्री अश्वनी, पीजीटी (कम्प्यूटर वि.), श्री ताराचंद सैनी (व.स.स)

दूसरी पंक्ति : श्रीमती कविता कुमारी (प्रा.शि), श्रीमती लक्ष्मी कुमारी (प्रा. शि.) श्रीमती मिनाक्षी कुमारी (प्रा.शि), श्री राजेन्द्र प्रसाद (प्रब्लाशि सा.विज्ञान), श्री कालू राम (सब-स्टाफ), श्री वीरेन्द्र सिंह ( प्रब्लाशि. कार्यानुभव), श्री सुरेंद्र कुमार कानवा (पुस्तकालयाध्यक्ष), श्री मनीष कुमार (प्रब्लाशि. अंग्रेजी), श्री मनोज कुमार वर्मा (प्रा. शि)

तीसरी पंक्ति : श्री रामदयाल (प्रयोगशाला परिचर), श्री सुनील कुमार चेजारा (प्रब्लाशि. कला शिक्षा), श्री सुरेंद्र कुमार मीणा (प्र.स्ना.शि. गणित), श्री ओमप्रकाश (प्रा. शि), श्री जितेन्द्र सिंह (योग शिक्षक), सन्दीप कुमार (नर्स) श्री विमलेश कुमार ( क.स.स.), श्री मुकेश कुमार खटीक (प्र.स्ना.शि. संस्कृत), श्री राम लाल मीणा (प्रब्लाशि. स्वा. एवं शा.शि.) श्री रामदयाल बारेठ (संगीत शिक्षक)

## केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा वार्षिक प्रतिवेदन (सत्र 2017-18 एवं 2018-19)

1962 में 20 रेजिमेंटल विद्यालयों के रूप में प्रारम्भ हुए केंद्रीय विद्यालय आज विदेशों सहित पूरे भारत में संचालित है जिनकी संख्या 1100 से ऊपर है। केंद्रीय विद्यालय संगठन के चार मुख्य उद्देश्य हैं-

- केंद्रीय सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों एवं रक्षा तथा अर्धसैनिक बलों के बच्चों को शिक्षा के सामान्य कार्यक्रम के तहत शिक्षा प्रदान कर उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना।
  - शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठता एवं गति निर्धारित करना।
  - सी.बी.एस.ई. एवं एन.सी. ई.आर. टी. जैसे निकायों के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग तथा नवाचारों को सम्मिलित करना।
  - बच्चों में राष्ट्रीय एकता एवं भारतीयता की भवना का विकास करना
- वर्ष 2011 में प्रारम्भ हुए केन्द्रीय विद्यालय इंद्रपुरा ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के इन चार उद्देश्यों को अपने में समाहित कर एक बड़ा ही प्रभावशाली कौशल विकसित किया है जहाँ पर 22 योग्य और प्रतिबद्ध अध्यापक/ अध्यापिकाओं के द्वारा 425 बच्चों के चतुर्दिक विकास पर ध्यान दिया जाता है। National Curriculum Frame Work 2005 का मुख्य उद्देश्य बच्चों में जीवन का ज्ञान एवं उनकी व्यक्तिगत योग्यताओं को विकसित करना है। हम बच्चों में इन गुणों को समायोजित करने की भरसक कोशिश कर रहे हैं।

### ► Academics / शैक्षणिक प्रगति

आज के दौर में शिक्षा मनुष्य के चहुंमुखी विकास के लिए अति आवश्यक है। शिक्षा के बिना मनुष्य भौतिक साधन मात्र रह जाता है। हमारे बच्चों ने इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है।

- 1- कक्षा 1-8 तक का परीक्षा परिणाम 100% रहा है।
- 2- कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम प्रथम बैच (2017) से ही 100% रहा है। 2018 में कुमारी तनिषा जाखड़ ने सर्वाधिक 86.2% अंक प्राप्त किए वहीं 2019 में शैलेश सैनी 95.8% अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे।
- 3- कक्षा बारहवीं के प्रथम बैच (2019) का परीक्षा परिणाम 100% रहा है। गुणवत्ता परिणाम के अनुसार जयपुर संभाग के सभी केंद्रीय विद्यालयों में हमारा तीसरा स्थान रहा है। कुमारी श्रुति अग्रवाल ने बोर्ड परीक्षा (बारहवीं) में विद्यालय में सर्वाधिक 88.2% अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
4. सत्र 2017-18 में PRMO में विद्यालय के 31 विद्यार्थी शामिल हुए जिनमे से 19 RMO के लिए चयनित हुए। सत्र 2018-19 में 51 में से 03 विद्यार्थी RMO के लिए चयनित हुए।

### ► राष्ट्रीय एकता पर्व / सामाजिक विज्ञान प्रदर्शिनी

- 1- सामाजिक विज्ञान प्रदर्शिनी में विद्यालय के 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हिन्दी वाद-विवाद में कुमारी पूजा डीगवाल ने संकुल स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- 2- संस्कृत श्लोक गायन में आशा कुमारी तथा स्पेल बी में सृष्टि अग्रवाल ने संभाग स्तर पर प्रतिभाग किया।
3. विद्यालय की टीम समूह गान में संकुल स्तर पर द्वितीय स्थान पर तथा समूह नृत्य में तृतीय स्थान पर रही।

### ► Scout/Guide

- 1- सत्र 2017-18 में विद्यालय के 05 कब्स एंड बुलबुल्स को स्वर्ण तीर पुरस्कार से नवाजा गया तथा 1-1 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया। सत्र 2018-19 में विद्यालय के 04 कब्स और 06 बुलबुल्स को स्वर्ण तीर पुरस्कार से नवाजा गया।
- 2- सत्र 2017-18 में 4 स्काउट्स और 4 गाइड्स तथा 2018-19 में 4 स्काउट्स और 4 गाइड्स ने तृतीय सोपान उत्तीर्ण किया।
3. सत्र 2017-18 में 4 स्काउट्स और 4 गाइड्स तथा 2018-19 में 4 स्काउट्स और 2 गाइड्स ने राज्य पुरस्कार प्राप्त किया।

### ►खेल-कूद / Sports

- 1- विद्यालय की U-19 BOYS (Kho-Kho) टीम ने 48वीं सम्भागीय स्पोर्ट प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।
- 2- विद्यालय की छात्रा वंशिका डीगवाल ने U-14 आयु वर्ग में 48वीं सम्भागीय स्पोर्ट प्रतियोगिता में ऊंची कूद में रजत पदक प्राप्त किया।
- 3- विद्यालय के 05 विद्यार्थी पीयूष सैनी , अविनाश यादव, आनंद कुमार, हिमांशु जैफ तथा शैलेश सैनी ने केवीएस राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में खो-खो (बालक ) आयु वर्ग 19 टीम में प्रतिभाग किया तथा स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
4. विद्यालय के विद्यार्थी पीयूष सैनी ने इंदौर में आयोजित SGFI Sports Meet में प्रतिभाग किया।

### ► राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस / NCSC & JNNSMEE

विद्यालय में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन बड़ी सफलतापूर्वक किया गया। विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। वहीं चार विद्यार्थियों ने JNNSMEE में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

### ► नवाचार / INNOVATIONS

हमारे विद्यालय ने अध्ययन/अध्यापन को सुगम बनाने हेतु कई नई तकनीकों को अपनाया है। इसके लिए विद्यालय में एक हर्बल बागीचे का निर्माण किया गया है। बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विद्यालय ने स्वयं की पौधशाला में 300 पौधे तैयार किए तथा स्टाफ आवास और विद्यालय प्रांगण में लगाए।

### ► पुस्तकालय / LIBRARY

पुस्तकालय में कुल 1739 पुस्तकें उपलब्ध हैं। जिसमें हिन्दी माध्यम की पुस्तकें 759 एवं अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें 980 उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय कंप्यूटराइज्ड है। सभी पुस्तकों को ई-ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर में एंट्री की गई है और सभी पुस्तकों के बार-कोड लेबल लगाये गये हैं। पाठकों को पुस्तकों का वितरण एवं पुस्तकों को पुनः लेने का कार्य ई-ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाता है। पुस्तकालय में 20 पत्रिकाएं एवं 03 समाचार-पत्र मंगवाए जाते हैं।

### ► उत्सव / CELEBRATIONS

विद्यार्थियों में मानवता, विश्वबंधुत्व एवं धर्मनिरपेक्षता की भावना को विकसित करने के लिए गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, राष्ट्रीय एकता दिवस, संस्कृत सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, झण्डा दिवस, बुजुर्ग अभिभावक दिवस इत्यादि विद्यालय में उत्साह पूर्वक मनाए गए।

### ► किशोरावस्था शिक्षा

चूँकि यह समय की माँग है कि विद्यार्थियों को किशोरवय की शिक्षा से अवगत कराया जाए इसलिए अखिल भारतीय कार्यक्रम A.E.P. के अंतर्गत श्री दिनेश कुमार सोनी के निर्देशन में विद्यार्थियों को किशोरावस्था शिक्षा दी जा रही है।

### ► सामाजिक सरोकार

केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा ने समाज और देश के प्रति सेवा का जज्बा दिखाते हुए मिशाल पेश की है। पुलवामा हमले में शहीद हुए हमारी सेना के जवान श्योराम गुर्जर की वीरांगना को विद्यालय परिवार ने रु 11000/- की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसी प्रकार केरल राज्य के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विद्यालय ने रु 15000/- की राशी प्रधानमंत्री आपदा कोश को प्रेषित की।

### ► ई-क्लासरूम की स्थापना

केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विद्यालयों में ई-क्लासरूम स्थापना के पांचवे चरण में विद्यालय में 10 ई-क्लासरूम की स्थापना की गई। विद्यालय में इस हेतु संगठन मुख्यालय द्वारा 10 एप्पल आई-पेड, 10 मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, 10 स्ट्रीमिंग डिवाइस उपलब्ध करवाए गए।

### ► कंप्यूटररूम की स्थापना

केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विद्यालय में कंप्यूटररूम की स्थापना हेतु 25 कंप्यूटर उपलब्ध करवाए गए। कंप्यूटरलैब का उदघाटन श्री शिवपाल जाट, उपखण्ड अधिकारी उदयापुरवाटी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

### ► वृक्षारोपण

सत्र 2017-18 एवं 2018-19 के दौरान विद्यालय प्रांगण में सघन वृक्षारोपण किया गया जिसके परिणामस्वरूप मात्र 2 वर्ष के भीतर विद्यालय प्रांगण हरा-भरा कर दिया गया है।

## प्रयास आपका सहयोग हमारा

■ दिनेश कुमार सोनी

पीजीटी (जीव विज्ञान)

असीम संभावनाओं से भरा एक नन्हा बालक, ठीक उस बीज के समान है जिसे सही समय पर किये गए प्रयासों से उपजाऊ मिट्टी रूपी विद्यालय और समय समय पर उपलब्ध कराए गए खाद -पानी रूपी शिक्षकों एवं परिवार का सहयोग मिल जाये तो उसे समाज के लिए फलदायी योग्य नागरिक बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

कहते हैं परिवार बालक की प्रथम पाठशाला और माँ उसकी पहली गुरु होती है इसी धरातल पर बालक को अपने जीवन की नींव रखनी होती है, उसके भविष्य को सवारने के लिए बालक के परिवार का प्रयास जहाँ आवश्यक होता है, वहीं बालक को आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन के लिए एक शिक्षक का सहयोग अपरिहार्य होता है। बालक में छिपी योग्यताओं को पहचान कर उसे निखारने के लिए उसे समझ कर सही दिशा दिखाने की महती आवश्यकता होती है।

वो नन्हा बालक एक कोरे कागज के समान होता है जिस पर एक सुंदर भविष्य का चित्रण करने और उसमें मानवता, प्रेम, सहयोग, आगे बढ़ने की ललक के साथ साथ देश-समाज के प्रति उसके कर्तव्यों के रंगों से सुनहरा बनाना हमारा दायित्व है।

बालक के चहुमुखी विकास के लिए परिवार के प्रयासों और शिक्षकों का सहयोग नितांत अनिवार्य है। हर बालक अपने आप में ईश्वर की एक अनुपम कृति होता है, इसलिए सभी बालको को एक जैसी भूमिका में रखना बिल्कुल उचित नहीं है। हर बालक को उसकी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है। आइये हम मिल कर प्रयास और सहयोग करें। आइये मिलकर एक नन्हे बीज को विशाल फलवृक्ष में विकसित करें। आइये मिलकर प्रयास करें और उसके सपनों में रंग भरें। आइये मिलकर सहयोग करें और निर्माण करें एक स्वस्थ और विकसित समाज का।

आइये करें प्रयास और सहयोग, मिलकर।

## " मैं एक शिक्षक हूँ....."

मैं एक शिक्षक हूँ ,पर अब एक गुरु बनाना चाहता हूँ।

साक्षरता से बढ़कर अब कुछ जीवन परिवर्तन चाहता हूँ।

मैं एक शिक्षक हूँ, डर से उपजे अनुशासन का कोई मोल नहीं ,अब होठो पर मुस्कान चाहता हूँ।

मैं एक शिक्षक हूँ,मेरा दावा नहीं कुछ सीखा पाऊंगा तुम्हे,पर तुम सीखो,मैं उत्साह उमंग जगाना चाहता हूँ।

तुम और कुछ सीखो या न सीखो, पर खुश रहना सीखना चाहता हूँ।

मैं शिक्षक हूँ

पर अब पास फेल के दायरे से बाहर निकलकर, व्यवहार परिवर्तन चाहता हूँ।

मैं एक शिक्षक हूँ, शिक्षा को नौकरी से ऊपर जीवन का कौशल बनाना चाहता हूँ।

- दिनेश कुमार सोनी  
पीजीटी (जीव विज्ञान)

## " पेड़ "

धरती के दिल की धड़कन चुराकर  
सांसो की सरहद के सिपाही से लग रहे हैं पेड़  
इंतजार ही लगती है इनकी इबादत  
रुके हुए राही से लग रहे हैं पेड़  
महफिल में खड़े हैं फिर भी  
तनहा से चेहरे लग रहे हैं पेड़  
दुनिया की हर तस्वीर बनकर  
अपने इतिहास की गवाही दे रहे हैं पेड़  
रंग रूप चेहरे से पहचान वालों को  
हवाओं की फितरत सिखा रहे हैं पेड़  
न बांटने से ही बटा है संसार  
इंसान को जिंदादिली सिखा रहे हैं पेड़  
समा जाएंगे न जाने किस-किस में  
चिता की लकड़ी भी बन रहे हैं पेड़  
राख होने से नहीं मिटती हस्ती  
फना होने को बुला रहे हैं पेड़



- सुखपाल सिंह  
पीजीटी (अंग्रेज़ी )

## केन्द्रीय विद्यालय इंद्रपुरा एक नज़र में.....

केन्द्रीय विद्यालय इंद्रपुरा 10 एकड़ भूमि के विशाल एवं हरे-भरे परिसर के साथ वीरता एवं बलिदान की अमिट छाप छोड़ने वाले सेनानियों की भूमि झुंझुनू जिले की उदयपुरवाटी तहसील के इंद्रपुरा गाँव में स्थित है। इसने सन् 2011 में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की चाह रखने वाले विद्यार्थियों के लिए अपने द्वार खोल दिए। इसका विकास इस प्रकार हुआ है कि आज यह इस क्षेत्र में शिक्षा का प्रतिनिधित्व करने वाला संस्थान बन गया है।

इस विद्यालय का शुभारंभ सन् 2011 में कक्षा 1 से 5 तक राजस्थान सरकार द्वारा ओलखा की ढाणी, ग्राम इंद्रपुरा में उपलब्ध करवाए गए अस्थायी भवन में किया गया था, जो आज सुनियोजित भवन, बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सभी भौतिक सुविधाओं से परिपूर्ण भवन में कक्षा 1 से 12 तक संचालित है। यह इस बात का प्रमाण है कि विद्यालय का विकास क्रमिक लेकिन सुनिश्चित रहा है।

सन् 2012 में विद्यालय के भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटित किए जाने के उपरांत यू पी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा विद्यालय के स्थायी भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो सन् 2018 में पूर्ण हुआ। विद्यालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन 5 अक्टूबर, 2018 को सांसद (झुंझुनू) श्रीमती संतोष अहलावत ने किया।

सन् 2018 में विद्यालय ने अपने नवनिर्मित स्थायी भवन में कार्य करना शुरू कर दिया। विद्यालय के नए भवन निर्माण पर कुल 10 करोड़ 65 हजार रुपये से ज्यादा की लागत आई और यह विद्यालय भवन जयपुर संभाग के सभी केन्द्रीय विद्यालयों से अपने आप में अनूठा है।

आज विद्यालय में 12 कक्षा कक्ष, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, गणित एवं विज्ञान प्रयोगशाएँ, भाषा प्रयोगशाला, संगीत कक्ष, संसाधन कक्ष, खेल कक्ष, सुव्यवस्थित पुस्तकालय तथा विभिन्न खेलों के लिए खेल मैदान हैं। सत्र 2018-19 में केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विद्यालय के 10 कक्षा कक्ष स्मार्ट कक्षाओं के रूप में विकसित किए जा चुके हैं।

विद्यालय की वास्तविक शक्ति केन्द्रीय विद्यालय संगठन के उच्चाधिकारी, अनुकरणीय प्राचार्य तथा समर्पित संकाय सदस्य हैं। विद्यालय के प्राचार्यों के सपनों को वर्षों से उनके संकाय सदस्य वास्तविकता में बदलते आ रहे हैं। आज विद्यालय की जिस उज्वल छवि को हम देख रहे हैं, वह उन लोगों के अनवरत परिश्रम और कर्मठता का ही परिणाम है, जो यहाँ कार्यरत थे अथवा वर्तमान में कार्यरत हैं।

वर्तमान में विद्यालय में कुल 29 कार्मिक, 425 विद्यार्थियों के साथ पठन-पाठन कार्य में संलग्न हैं। विद्यालय उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान संकाय में अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है।

विद्यालय में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-शैक्षिक गतिविधियों का संचालन भी किया जाता है। 'स्वस्थ बच्चे स्वस्थ भारत' योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से खेल गतिविधियों, योग आदि का आयोजन किया जाता है एवं प्रत्येक विद्यार्थी की चिकित्सकीय जाँच भी की जाती है। यहाँ विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड गतिविधियों से जुड़ने का अवसर प्रदान कर निःस्वार्थ मानव सेवा का पाठ पढ़ाया जाता है। विद्यालय में विभिन्न क्लब संचालित हैं। जैसे- साहित्य क्लब, प्रकृति क्लब, गणित क्लब, पाठक क्लब आदि। इससे विद्यार्थियों को अपनी अव्यक्त प्रतिभा को पहचानने और अभिव्यक्त करने का एक मंच मिलता है।



विद्यालय की अद्भुत सफलता में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष एवं अन्य समिति सदस्यों का भी निरंतर सहयोग मिलता रहा है, जो विद्यालय विकास की योजनाओं के अगुआ हैं। इनका प्रोत्साहन एवं योगदान उल्लेखनीय है। विद्यालय प्राधिकारी वर्ग एवं विद्यालय प्रबंध समिति के मध्य सहज एवं सम्मानजनक संबंध ही विद्यालय की उपलब्धियों का आधार है।

यहाँ अभिभावकों तथा विद्यालय प्राधिकारियों के बीच विचारों का समग्र आदान-प्रदान होता है तथा अभिभावकों के रचनात्मक सुझावों को अपनाया जाता है, ताकि वे विद्यालय के भावी विकास में मददगार साबित हो सकें।

संस्थान ने बदलते परिवेश एवं अपने अपरिवर्तित आदर्शों में समन्वय स्थापित करके इसको एक सुदृढ़ आधार प्रदान किया है। आशा करते हैं कि भविष्य में भी सफलताएँ एवं उपलब्धियाँ इसको गौरवान्वित करती रहेंगी।

“कर्तव्यों का बोध कराती, अधिकारों का ज्ञान  
शिक्षा से ही मिल सकता है, सर्वोपरि सम्मान।”

## काव्यपाठः

– मुकेश कुमार खटीकः

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकः-संस्कृतम्

वक्रतुण्डः नमतुभ्यं, नमतुभ्यं गजाननः।  
शिवप्रियः नमतुभ्यं, नमतुभ्यं विनायकः॥१॥  
या देवी ज्ञान भूतेषु, विद्यारूपेण संस्थिता।  
नमस्तस्यै नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः ॥२॥  
शिष्य हिताय यः गुरुः उद्धृतो भवति नित्यम्।  
सन्सारेऽस्मिन् सः गुरुः, सर्वत्र प्राप्नोत्यादरम् ॥३॥  
गुरोः ध्येयं न केवलं, पाठ्यपुस्तकं शिक्षणम्।  
बालैः संस्कारान् धारणम्, तदैव गुरोः साफल्यम् ॥४॥  
दयावान् मृदुभाषी च, पुण्यकर्मी सदाचारी।  
हितकारी निष्ठावान् च, लक्षणमेति गुरुणाम् ॥५॥  
सततं प्रयत्नशीलः, संकल्पवान् प्रियभाषी।  
सुखत्यागी जिज्ञासुश्च, विद्यार्थिनः सुलक्षणम् ॥६॥

नित्यं परिश्रमी बालो, प्राप्यते प्रतिष्ठां नूनम्।  
यथा कानेन मृगेन्द्रो, राजपदं सुशोभितम् ॥७॥  
श्रद्धावान् बालको एव, ज्ञानं गुरुभ्यो प्राप्नोति।  
ज्ञानं प्राप्य सः बालकः शिक्षामिह प्रचरति ॥८॥  
यः मानवः गुरुन् प्रति, श्रद्धावान् नैव भवति।  
सः नरः विद्याग्रहणे, समर्थः नैव भवति ॥९॥  
ज्ञानं मित्रं प्रवासेषु, भार्या मित्रं गृहेषु च।  
धैर्यं मित्रं विपत्तिषु, कर्म मित्रं मृतस्य च ॥१०॥  
लुब्धो दृढवादः क्रोधो, निजस्वार्थं दुर्वचनम्।  
पापकर्ममहितं च, मूर्खस्य सप्त लक्षणम् ॥११॥  
पदधनशोर्याणां च, नास्ति जीवने महत्वम्।  
यदि जीवनेऽस्माकं, हर्षो संतोषश्चभावम् ॥१२॥  
बलस्य बुद्धिरुत्तमा, वरं बुद्धिर्न तत् बलम्।  
बुद्धेरभावात् मानवः, बलवानोऽपि निर्बलम् ॥१३॥

## भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा

- मुकेश कुमार खटीकः

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकः-संस्कृतम्

सम् उपसर्ग पूर्वकात् कृ धातोः क्तिन् प्रत्ययेन निष्पन्नोऽयं शब्दं संस्कृतिः । संस्कृतिरस्माकं महान् आसीत् अस्ति, नास्ति अत्र काऽपि अतिशयोक्तिः । संस्कृत भाषायामेव अस्माकं संस्कृतिः सास्कृतिकनिधिः च सुरक्षितो वर्तते । भाषेयं मानवजातेः समृद्धयर्थं समुपदिशति एवञ्च विश्व कल्याणमपि अनया सुरवाण्या एव संभवति । भारतीय संस्कृतेः प्राणस्वरूपा भारतीय धर्मदर्शनादिकानां प्रसारिका सर्वमान्या भाषेयम् । आधुनिक युगे वयं पश्यामः यत् अधुना निखिले संसारे कलहस्य, अशान्ते, भ्रष्टाचारस्य, आतंकवादस्य इत्यादीनां अनेकानां समस्यानां वातावरणमस्ति । ते पुरस्य कष्टं स्वकीयं न गणयन्ति । अस्माभिः सर्वैः परस्परं वैरभावमपहाय विश्वबन्धुत्वं स्थापनीयमिति संस्कृतिस्माकम् ।

उक्तञ्चापि - अयं निजः परो वेति, गणना लघु चेतसाम् ।

उदार चरीतानां तु, वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

वर्तमाने समाजे आदर्शमूल्यानां, जीवन मूल्यानां च न्यूनता दृश्यन्ते । यतोहि अस्माकं संस्कृति शिक्षयति यत् “मातृ देवो भव” “अतिथिः देवो भव” “पितृ देवो भव”

सज्जनाः सर्वैः सह शिष्टतापूर्वकं व्यवहारं कुर्वन्ति । ते सत्यं वदन्ति, असत्यभाषणाद् विरमन्ति, मातुः पितुः गुरुजनानां वृद्धानां ज्येष्ठानाञ्च आदरं कुर्वन्ति, तेषां आज्ञां पालयन्ति, तेषां आयुः विद्यायशोबलञ्च वर्धन्ते ।

कथितमपि

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः ।

चत्वारि तस्य वर्धन्ते, आयुर्विद्या यशोबलम् ॥

आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् । संस्कृतिः संस्कृतभाषायामेव निहिता वर्तते । अतः अस्माकं भारत भूमौ संस्कृतभाषारूपि गंगाधारा पुनरवतीर्णा स्यात् इति अस्माकं कर्तव्यः । इत्यर्थं वयं ग्राम-ग्राम गच्छामः, संस्कृत शिक्षा यच्छामः एवञ्च सर्वेषां तृप्ति हितार्थं स्व क्लेशं न गणयेम । जीवने सर्वदा सत्संगतिरेव कुर्यात् । संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति । सद्भिरेव सहासीत सद्भिः संगतिं कुर्वीत । “सत्संगति कथय किं न करोति पुंसाम्” लिखितमपि च केन मनुना ।

भारतीय संस्कृतेः विद्यमानाः सूक्तयः “सत्यमेव जयते” “आचारः परमो धर्मः” “योगकर्मसु कौशलम्” इत्यादिनि अनेकाः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति । अतः अस्माकं भारतीय संस्कृतिः रक्षणाय सर्वदा सततं रक्षणार्थं तत्परो भवेत् । तेन मानवस्य समाजस्य राष्ट्रस्य च परिष्कारः भवेत् । कृते प्रयत्ने किं न लभेत् एवं सन्ति मम विचाराः ।

जयतु संस्कृतम् ।

वदतु संस्कृतम् ॥

जयतु भारतम् ॥

## ख्यालो के आईनें में ...



- नीतू सैनी, कक्षा 10

\*जो लोग आपसे घृणा करते हैं, ये वही लोग हैं जो यह समझते हैं कि आप उनसे बेहतर हैं।

\*कर्मभूमि पर फल के लिये श्रम सबको करना पड़ता है, रब सिर्फ लकीरें देता है, रंग हमें खुद भरना पड़ता है।

\*जिंदगी को खुश रहकर जिओ, क्योंकि रोज शाम सिर्फ सूरज ही नहीं ढलता आपकी अनमोल जिंदगी भी ढलती है।

\*मशीन को जंग लग जाये तो पुर्जे शोर करते हैं, अक्ल को जंग लग जाये तो जुबान शोर करती है।

\*कभी ना कहो कि दिन अपने खराब हैं, समझ लो कि हम काँटों से घिर गए गुलाब हैं।

## जिंदगी का सिम कार्ड



-- जयश्री तंवर, कक्षा 10

जिंदगी के सिम कार्ड की वैलिडिटी

अवधि बढ़ाने के लिये

गम को करो डिलीट

खुशी को करो सेव

रिश्तों को रीचार्ज, दोस्ती को डाउनलोड

सच को ब्रोडकास्ट

तो झूठ को स्वीच-ऑफ

टेंन्सन को नोट रीचएबल

प्यार की हो इन्कर्मिंग

नफरत की हो ब्लैकलिस्टिंग

लेंगुएज़ का कंट्रोल

हँसी का इनबोक्स

आंसू आउटबोक्स

गुस्सा हो होल्ड, मुस्कान हो सेंड

हेल्प हो ओके

तो दिल हो वाइब्रेट...

## COMPASS



Hitesh Kumar, Class-X

Hans Christian Oersted, one of leading scientists of the 19<sup>th</sup> century, played a crucial role industrial role in understanding *electromagnetism*. In 1820 he accidently discovered that a compass needle got deflected when an electric current passed through a metallic wire placed nearby. Through this observation Oersted showed that electricity and magnetism were related phenomena. His research later created technologies such as the radio, television and fibre optics. The unit of magnetic field strength is named the Oersted in his honour.

## Amazing Facts About INDIA

■ Krishan Kumar, Class-X



1. Around 100 million years ago, India was an island.
2. India's name is derived from the "Indus" river.
3. Indus valley civilisation is the world's oldest civilisation.
4. India, hence, is the world's oldest, most advanced and continuous civilisation.
5. India has been the largest troop contributor to the United Nation Peacekeeping Missions since its inception.
6. India has the world's third largest active army, after China and USA.
7. The Tirupati Balaji temple and the Kashi Viswanath Temple both receive more visitors than the Vatican City and Mecca combined.
8. Every 12 years, a religious gathering called KUMBH MELA occurs in India. It is the world's largest gathering of people. The gathering is so large that the KUMBH MELA is visible from space.
9. Varanasi is the oldest, continuously inhabited city in the world today.
10. India has more mosques (300000 mosques) than any other nation in the world and the third largest Muslim population in the world.
11. TAKSHILA is said to be the first university in the world; it started around 700 BC.
12. Today, India has the world's largest school, in terms of students, the city Montessori schools in Lucknow. It has more than 45 thousand students!
13. Indian Railways employs more than 1.3 million people. That's more than the population of many nations.
14. More than 54 crore people voted in the 2014 General Election – more people than the population of USA, UK, Australia and Japan combined.

### BEAUTIFUL...

■ Nitu Saini, Class X



BEAUTIFUL hands always raise for help

BEAUTIFUL eyes always see good

BEAUTIFUL mouth always speak sweet

AND

BEAUTIFUL Face always smile

### I WANT PEACE !

■ Nitu Saini, Class X

I asked god that **I WANT PEACE!**

God replied "Remove the **I**

That is **EGO**

Remove the **WANT**

That is **DESIRE** and then,

**PEACE** will come automatically".



## योग एवं स्वास्थ्य संरक्षण में योग का महत्व



### ■ रवीन्द्र सिंह राठोड (योग शिक्षक)

**योग**— योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा की 'युज' धातु से हुई है जिसका भावार्थ होता है जुड़ना, एकाकार होना, केन्द्रिक करना या बांधना।

आध्यात्मिक की दृष्टि से तो ध्यान को नियंत्रित करना, जीवात्मा का परमात्मा से एकाकार (युक्त) होना, अर्थ होता है (Gita According to Gandhi) की भूमिका में 'महादेव देसाई' ने लिखा है कि शरीर, मन व आत्मा की समग्र शक्तियों को परमात्मा में संयोजित करना ही योग है। इसका तात्पर्य है आत्म समभाव, जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे व शारीरिक हो, या मानसिक या आध्यात्मिक, साम्यावस्था स्थापित करता है।

**योग वह माध्यम है जिसके द्वारा चित की वृत्तियों का निरोध किया जाता है**  
**स्वास्थ्य रक्षण में योग का महत्व**

योगशास्त्र का अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त करना है लेकिन यह तभी सम्भव है। जब अभ्यासी का स्वास्थ्य उत्तम हो, आरोग्य को पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति का मूल कारण माना गया है योगाभ्यास का मन एवं शरीर पर अदभूत प्रभाव पड़ता है।

1. **यम-नियम**— पाँच यमों एवं पाँचों नियमों का पालन करने से व्यक्ति के मन मस्तिष्क की शुद्ध होकर शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। त्रिगुण (सत्व-रज-तम) में से राज एवं तम गुण में कमी होकर सत्वगुण की वृद्धि होती है। जिससे व्यक्ति देवतुल्य होकर समाज में सर्वोच्च स्थान पाता है।

2. **आसन**— यौगिक आसनों की शारीरिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सात्मक दृष्टि से अहम् भूमिका रहती है यथा—

1. शरीर में अतिरिक्त मेद(fat) छँटकर सुगठित बनता है
2. मांसपोशियों ( Muscles) मजबूत(Strong) और क्रियाशील(Active) बनती है
3. आसनों की विभिन्न स्थितियों के कारण अंगावयव (Organs) स्वस्थ रहते हैं।
4. अंगावयवों को रक्त आपूर्ति ( Blood Supply) पर्याप्त मात्रा में होती है।
5. अनुकम्पी (Sympathetic) एवं परानुकम्पी तंत्रिकाये (Parasympathetic Nerves) स्वस्थ व क्रियाशील रहती है। कहीं किसी नाडी पर दबाव हो तो आसनाभ्यास से वह दबाव दूर होकर शरीर स्वस्थ रहता है तभी तो गीवा स्तम्भ (Cervical Spondylitis) वक्ष स्तम्भ (Thorecic Spodylitis) कटि स्तम्भ (Lumber Spodylitis) आदि रोगों से लाभकारी होते हैं।

3. **प्रणायाम**— यौगिक प्रणायाम मुख्यतः प्राण वायु पर नियंत्रण का एक विशेष अभ्यास है मन पर नियंत्रण होकर प्रत्याहार के लिये पृष्ठभूमि(आधारशीला) तैयार होती है। पूरक, कुम्भक एवं रेचक प्रणायाम द्वारा शारीरिक क्रियाओं में अदभूत लाभ मिलते हैं प्रत्येक स्थान (System) लाभ पाता है। श्वसन संस्थान पर (Respiratory System & Nervous System) विशेष प्रभाव पड़ता है। गहरा श्वास लेने (पूरक) यथाशक्ति कुम्भक करने के बाद, गहरा निःश्वसन (रेचक) करने से शरीर की प्रत्येक अंग को रक्तपूर्ति प्रचुर मात्रा में होती है। कार्बनडाईऑक्साइड (CO<sub>2</sub>) की मात्रा शरीर में घटने और आक्सीजन की पर्याप्त मात्रा की प्राप्ति होने से ताजगी एवं स्फूर्ति होने से अभ्यासी को ताजगी एवं स्फूर्ति मिलती है। जिससे मानसिक स्तर ठीक रहता है।

व्यक्ति को दमा (अस्थमा), कास(Cough), अनिद्रा (Insomania), शरीर में अतिउष्णता या शीलता का प्रभास होना, सिरदर्द, हृदय रोग (Heart Disease), उच्चरक्तचाप या निम्नरक्तचाप, मानसिक असंतुलन, अपस्मार (Epilepsy), दन्माद(Mania), आदि रोगों में प्राणायाम अभ्यास द्वारा स्वास्थ्यलाभ होता है। वर्तमान में मानसिक तनाव आम समस्या बनती जा रही है। उस अवस्था में प्राणायाम अत्यधिक लाभकारी है।

4. **प्रत्याहार**— प्रत्याहार अन्तरयोग का प्रवेश द्वार है। बाह्य जगत् से अभ्यासी का सम्बन्ध विच्छेद होकर आत्मनियंत्रण एवं आत्मसाक्षात्कार की अवस्था है। एकाग्रचितता लाने के लिये एवं धारणा शक्ति(Concentration) बढ़ाने के लिए, षट्शत्रु ( काम, क्रोध आदि) पर विजय होकर मन निर्मल बनता है। जो व्यक्ति मानसिक दुर्बलता और हीन भावना के शिकार होते हैं उन्हें प्राणायाम के बाद आत्मसाक्षात्कार का अभ्यास कराया जाता है। प्रत्याहार की मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण में विशेष भूमिका रहती है।

5. **धारणा-ध्यान-समाधि** — शरीरान्तः अथवा बाह्य किसी एक निश्चित क्षेत्र में चित को लगाकर, निरन्तरता रखते हुये जब चित ध्येयाकार हो जावे तब उसे समाधि कहते हैं।

**मनोरोगों की चिकित्सा के लिए यौगिक धारणा-ध्यान-समाधि से सम्भव है।**

# The Mahatma

(An article in commemoration of Gandhiji's 150 Birth Anniversary)

■ Smt Kavita (M/o Miss Rayana Birmhan, Class VII)

Mohandas Karamchand Gandhi was an eminent freedom activist and an influential political leader who played a dominant role in India's struggle for independence. Gandhi is known by different names, such as Mahatma (a great soul), Bapuji (endearment for father in Gujarati) and Father of the Nation. Every year, his birthday is celebrated as Gandhi Jayanti, a national holiday in India, and also observed as the International Day of Nonviolence. Mahatma Gandhi, as he is most commonly referred to, was instrumental in liberating India from the clutches of the British. With his unusual yet powerful political tools of Satyagraha and non-violence, he inspired several other political leaders all over the world including the likes of Nelson Mandela, Martin Luther King Jr and Aung San Suu Kyi. Gandhi, apart from helping India triumph in its fight for independence against the English, also led a simple and righteous life, for which he is often revered. Gandhi's early life was pretty much ordinary, and he became a great man during the course of his life. This is one of the main reasons why Gandhi is followed by millions, for he proved that one can become a great soul during the course of one's life, should they possess the will to do so.

## Childhood

M. K. Gandhi was born in the princely state of Porbandar, which is located in modern-day Gujarat. He was born into a Hindu merchant caste family to Karamchand Gandhi, diwan of Porbandar and his fourth wife, Putlibai. Gandhi's mother belonged to an affluent Pranami Vaishnava family. As a child, Gandhi was a very naughty and mischievous kid. In fact, his sister Raliat had once revealed that hurting dogs by twisting their ears was among Maohandas' favorite pastime. During the course of his childhood, Gandhi befriended Sheikh Mehtab, who was introduced to him by his older brother. Gandhi, who was raised by a vegetarian family, started eating meat. It is also said that a young Gandhi accompanied Sheikh to a brothel, but left the place after finding it uncomfortable. Gandhi, along with one of his relatives, also cultivated the habit of smoking after watching his uncle smoke. After smoking the leftover cigarettes, thrown away by his uncle, Gandhi started stealing copper coins from his servants in order to buy Indian cigarettes. When he could no longer steal, he even decided to commit suicide such was Gandhi's addiction to cigarettes. At the age of fifteen, after stealing a bit of gold from his friend Sheikh's armllet, Gandhi felt remorseful and confessed to his father about his stealing habit and vowed to him that he would never commit such mistakes again.

**Early Life :** In his early years, Gandhi was deeply influenced by the stories of Shravana and Harishchandra that reflected the importance of truth. Through these stories and from his personal experiences, he realized that truth and love are among the supreme values. Mohandas married Kasturba Makhanji at the age of 13. Gandhi later went on to reveal that the marriage didn't mean anything to him at that age and that he was happy and excited only about wearing new set of clothes. But then as days passed by, his feelings for her turned lustful, which he later confessed with regret in his autobiography. Gandhi had also confessed that he could no more concentrate in school because of his mind wavering towards his new and young wife.

After his family moved to Rajkot, a nine year old Gandhi was enrolled at a local school, where he studied the basics of arithmetic, history, geography and languages. When he was 11 years old, he attended a high school in Rajkot. He lost an academic year in between because of his wedding but

later rejoined the school and eventually completed his schooling. He then dropped out of Samaldas College in Bhavnagar State after joining it in the year 1888. Later Gandhi was advised by a family friend Mavji Dave Joshiji to pursue law in London. Excited by the idea, Gandhi managed to convince his mother and wife by vowing before them that he would abstain from eating meat and from having sex in London. Supported by his brother, Gandhi left to London and attended the Inner Temple and practiced law. During his stay in London, Gandhi joined a Vegetarian Society and was soon introduced to Bhagavad Gita by some of his vegetarian friends. The contents of Bhagavad Gita would later have a massive influence on his life. He came back to India after being called to the bar by Inner Temple.

**Gandhi in South Africa :** After returning to India, Gandhi struggled to find work as a lawyer. In 1893, Dada Abdullah, a merchant who owned a shipping business in South Africa asked if he would be interested to serve as his cousin's lawyer in South Africa. Gandhi gladly accepted the offer and left to South Africa, which would serve as a turning point in his political career.

In South Africa, he faced racial discrimination directed towards blacks and Indians. He faced humiliation on many occasions but made up his mind to fight for his rights. This turned him into an activist and he took upon him many cases that would benefit the Indians and other minorities living in South Africa. Indians were not allowed to vote or walk on footpaths as those privileges were limited strictly to the Europeans. Gandhi questioned this unfair treatment and eventually managed to establish an organization named 'Natal Indian Congress' in 1894. After he came across an ancient Indian literature known as 'Tirukkural', which was originally written in Tamil and later translated into many languages, Gandhi was influenced by the idea of Satyagraha (devotion to the truth) and implemented non-violent protests around 1906. After spending 21 years in South Africa, where he fought for civil rights, he had transformed into a new person and he returned to India in 1915.

**Gandhi and the Indian National Congress :** After his long stay in South Africa and his activism against the racist policy of the British, Gandhi had earned the reputation as a nationalist, theorist and organiser. Gopal Krishna Gokhale, a senior leader of the Indian National Congress, invited Gandhi to join India's struggle for independence against the British Rule. Gokhale thoroughly guided Mohandas Karamchand Gandhi about the prevailing political situation in India and also the social issues of the time. He then joined the Indian National Congress and before taking over the leadership in 1920, headed many agitations which he named Satyagraha.

**Champaran Satyagraha :** The Champaran agitation in 1917 was the first major success of Gandhi after his arrival in India. The peasants of the area were forced by the British landlords to grow Indigo, which was a cash crop, but its demand had been declining. To make the matters worse, they were forced to sell their crops to the planters at a fixed price. The farmers turned to Gandhiji for help. Pursuing a strategy of nonviolent agitation, Gandhi took the administration by surprise and was successful in getting concessions from the authorities. This campaign marked Gandhi's arrival in India

**Kheda Satyagraha :** Farmers asked the British to relax the payment of taxes as Kheda was hit by floods in 1918. When the British failed to pay heed to the requests, Gandhi took the case of the farmers and led the protests. He instructed them to refrain from paying revenues no matter what. Later, the British gave in and accepted to relax the revenue collection and gave its word to Vallabhbhai Patel, who had represented the farmers.

**Khilafat Movement Post World War I :** Gandhi had agreed to support the British during their fight in World War I. But the British failed to grant independence post the war, as promised earlier, and as a result of this Khilafat Movement was launched. Gandhi realized that Hindus and Muslims must unite to fight the British and urged both the communities to show solidarity and unity. But his move was questioned by many Hindu leaders. Despite the opposition from many leaders, Gandhi managed to amass the support of Muslims. But as the Khilafat Movement ended abruptly, all his efforts evaporated into thin air.

**Non-cooperation Movement and Gandhi :** Non-cooperation Movement was one of Gandhi's most important movements against the British. Gandhi's urged his fellow countrymen to stop co-operation with the British. He believed that the British succeeded in India only because of the co-operation of the Indians. He had cautioned the British not to pass the Rowlatt Act, but they did not pay any attention to his words and passed the Act. As announced, Gandhiji asked everyone to start civil disobedience against the British. The British began suppressing the civil disobedience movement by force and opened fire on a peaceful crowd in Delhi. The British asked Gandhiji to not enter Delhi which he defied as a result of which he was arrested and this further enraged people and they rioted. He urged people to show unity, non-violence and respect for human life. But the British responded aggressively to this and arrested many protesters.

On 13 April 1919, a British officer, Dyer, ordered his forces to open fire on a peaceful gathering, including women and children, in Amritsar's Jallianwala Bagh. As a result of this, hundreds of innocent Hindu and Sikh civilians were killed. The incident is known as 'Jallianwala Bagh Massacre'. But Gandhi criticized the protesters instead of blaming the English and asked Indians to use love while dealing with the hatred of British. He urged the Indians to refrain from all kinds of non-violence and went on fast-to-death to pressure Indians to stop their rioting.

**Swaraj :** The concept of non-cooperation became very popular and started spreading through the length and breadth of India. Gandhi extended this movement and focused on Swaraj. He urged people to stop using British goods. He also asked people to resign from government employment, quit studying in British institutions and stop practicing in law courts. However, the violent clash in Chauri Chaura town of Uttar Pradesh, in February 1922, forced Gandhiji to call-off the movement all of a sudden. Gandhi was arrested on 10th March 1922 and was tried for sedition. He was sentenced to six years imprisonment, but served only two years in prison.

**Simon Commission & Salt Satyagraha (Dandi March):** During the period of 1920s, Mahatma Gandhi concentrated on resolving the wedge between the Swaraj Party and the Indian National Congress. In 1927, British had appointed Sir John Simon as the head of a new constitutional reform commission, popularly known as 'Simon Commission'. There was not even a single Indian in the commission. Agitated by this, Gandhi passed a resolution at the Calcutta Congress in December 1928, calling on the British government to grant India dominion status. In case of non-compliance with this demand, the British were to face a new campaign of non-violence, having its goal as complete independence for the country. The resolution was rejected by the British. The flag of India was unfurled by the Indian national Congress on 31st December 1929 at its Lahore session. January 26, 1930 was celebrated as the Independence Day of India.

But the British failed to recognize it and soon they levied a tax on salt and Salt Satyagraha was launched in March 1930, as an opposition to this move. Gandhi started the Dandi March with his followers in March, going from Ahmedabad to Dandi on foot. The protest was successful and resulted in the Gandhi-Irwin Pact in March 1931.



**Negotiations over Round Table Conferences :** Post the Gandhi-Irwin Pact, Gandhi was invited to round table conferences by the British. While Gandhi pressed for the Indian independence, British questioned Gandhi's motives and asked him not to speak for the entire nation. They invited many religious leaders and B. R. Ambedkar to represent the untouchables. The British promised many rights to various religious groups as well as the untouchables. Fearing this move would divide India further, Gandhi protested against this by fasting. After learning about the true intentions of the British during the second conference, he came up with another Satyagraha, for which he was once again arrested.

**Quit India Movement :** As the World War II progressed, Mahatma Gandhi intensified his protests for the complete independence of India. He drafted a resolution calling for the British to Quit India. The 'Quit India Movement' or the 'Bharat Chhodo Andolan' was the most aggressive movement launched by the Indian national Congress under the leadership of Mahatma Gandhi. Gandhi was arrested on 9th August 1942 and was held for two years in the Aga Khan Palace in Pune, where he lost his secretary, Mahadev Desai and his wife, Kasturba. The Quit India Movement came to an end by the end of 1943, when the British gave hints that complete power would be transferred to the people of India. Gandhi called off the movement which resulted in the release of 100,000 political prisoners.

**Freedom and Partition of India:** The independence cum partition proposal offered by the British Cabinet Mission in 1946 was accepted by the Congress, despite being advised otherwise by Mahatma Gandhi. Sardar Patel convinced Gandhi that it was the only way to avoid civil war and he reluctantly gave his consent. After India's independence, Gandhi focused on peace and unity of Hindus and Muslims. He launched his last fast-unto-death in Delhi, and asked people to stop communal violence and emphasized that the payment of Rs. 55 crores, as per the Partition Council agreement, be made to Pakistan. Ultimately, all political leaders conceded to his wishes and he broke his fast.

**Assassination of Mahatma Gandhi :** The inspiring life of Mahatma Gandhi came to an end on 30th January 1948, when he was shot by a fanatic, Nathuram Godse, at point-blank range. Nathuram was a Hindu radical, who held Gandhi responsible for weakening India by ensuring the partition payment to Pakistan. Godse and his co-conspirator, Narayan Apte, were later tried and convicted. They were executed on 15th November 1949.

**Mahatma Gandhi's Legacy :** Mahatma Gandhi proposed the acceptance and practice of truth, non-violence, vegetarianism, Brahmacharya (celibacy), simplicity and faith in God. Though he would be remembered forever as the man who fought for Indian independence, his greatest legacies are the tools he used in his fight against the British. These methods inspired several other world leaders in their struggle against injustice. His statues are installed all over the world and he is considered the most prominent personality in Indian history.

**Gandhi in Popular Culture :** The word Mahatma is often mistaken in the West as Gandhi's first name. His extraordinary life inspired innumerable works of art in the field of literature, art and showbiz. Many movies and documentaries have been made on the life of the Mahatma. Post the Independence, Gandhi's image became the mainstay of Indian paper currency.

# *A Trip to the Andamans and Nicobars*

*by Rayana Birmhan, Class VII*

We were planning to visit Andaman for a couple of months. On 12<sup>th</sup> April, I along with my parents and my younger brother Saksham departed from Jaipur Airport by Air India. We had to change flight at at Netaji Subhash Chandra Bose International Airport, Kolkata for Port Blair. We spent the night at a Hotel close to the airport. We enjoyed our time chatting, listening songs and watching market activities from the Hotel window. We landed at Veer Savarkar International Airport, Port Blair by 04:00 pm on April 13<sup>th</sup>.



( at Jaipur Airport)



(Aerial View of A&N)



( Cellular Jail, Port Blair)

## ***Day 1. Visit to Cellular Jail and Corbyn's Cove Beach***

The hotel where we stayed in Port Blair was “Hotel Hill View”. It is a decent hotel as stay option. After taking a small rest, we were ready to explore local visiting sites of Port Blair like Corbyn's Cove Beach, Anthropological Museum and Cellular Jail.

Next on the list was “Corbyn's Cove Beach”. The Corbyn's cove beach is very famous and all time visiting place in Andaman Island. It is a beach where you can do water activities such as jet ski ride, banana boat ride and speed boat ride on all the days. All of us – my parents, my younger brother and I – enjoyed a ride on jetski.



(A model of Cellular Jail)



(Inside the Jail)



(Enjoying Jetski Ride)

Our Next destination was “Cellular Jail” which depicts the history of Indian freedom struggle. Cellular Jail also known as KALA PANI was a colonial prison in Andaman and Nicobar used by Britishers especially to exile political prisoners. Today, the complex serves as a national memorial monument. Just reading through the stories and imagining the plight of the prisoners gave me goose bumps. Hats off to the freedom fighters who survived this place for India. We got a chance to see the cell in which Veer Savarkar was imprisoned. We saw the gallows (फांसी घर) where the Britishers would hang the freedom fighters.

Then in the evening we witnessed the famous “Light and Sound Show” briefed us on how the struggle for freedom took place. By now we were exhausted and decided to have dinner. After having dinner we called off the day and went to sleep.

### Day 2 and 3: Visit to the Havelock

The plan for the next day was to visit “Havelock Island”. Havelock is accessible by ferry as well as a seaplane service. There are various Government and Private ferries which operate between Port Blair and Havelock on daily basis and begin to operate at around 6 am. You need to board the ferry from “Phoenix Bay Jetty”. One important thing is to be noted here that you must book your tickets well in advance. In our case, my father had already booked our tickets so we did not have to worry about the same. We woke up by 05:00 AM in the morning and were ready to leave. We left Port Blair by 07:00 AM from a ferry named “North Passage”. The seating arrangement was very comfortable and fully AC.



After sitting for half an hour, we decided to go up on the deck. It was a two and half hour journey to Havelock and we spent all the time on the deck enjoying the vast sea and soothing sound of waves hitting the craft. It was really an amazing experience to feel the cool air and enjoying the quality time with your life partner.

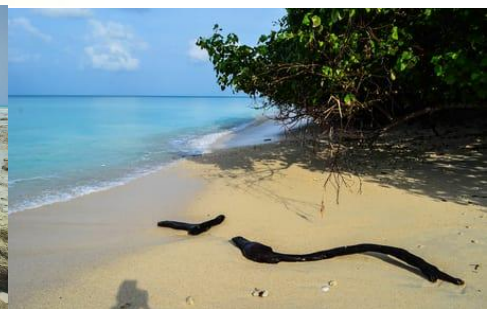
We reached **Havelock** around 09:00 AM and *hired a taxi to reach Hotel*. The Plan was to visit Beach No. 7 on the western coast, better known as “Radha Nagar Beach”, one of the most popular beaches on Havelock and was named “Best Beach in Asia” by TIME magazine in 2004. There are other famous beaches also on Havelock but because of the time constraint we decided to visit only the best.



(Radhanagar Beach)



(with my father at Kalapathhar Beach)



The ride in itself was full of enjoyment as we were passing through fields and after sometime the beautiful forest on both sides. The vehicles need to be parked some 500 Mtrs before the entry of the beach.

We walked through our way to reach there. Also there are limited option to have food, so you need to place your order for lunch in advance on the roadside small establishments which serves home made food like Aloo-Poori and some seafood dishes. We also ordered and moved ahead.

As soon as you enter the Beach you will be mesmerized by the sheer beauty of the place. It is indeed without a doubt the best beach you can see in India. It truly is an unforgettable curve of white sand with perfectly colored blue waters, all lined by lush forest and palm trees. It is easy to enjoy this postcard perfect beach – lie down and marvel at the sunset, or go in for a quick swim. Most amazingly the beach remains mostly empty compared to other popular beaches in India.

You can purchase jewellery made up of real pearls here at North Bay Island at very nominal rates as compare to normal market.



By now we all were tired and decided to leave. We went back to our hotel for some rest and then had our dinner again at Annapurna Restaurant. Came back and called the day off as next morning we have to catch our flight back to Jaipur via Kolkata.

This was a journey we all will never forget for rest of our lives. The memories are still fresh in our mind, specially the experience of Jet Ski, Sub-marine and visiting one of the most beautiful beaches ever i.e. Radhanagar Beach and the famous Cellular Jail are awesome. Here I will put an end to the blog but the journey still continues.....

\*\*\*\*\*

हँसना मना है .....

टीचर : 10 नंबर के एक प्रश्न का जवाब दो

छात्र : सर प्रश्न पूछो..

टीचर : बताओ सबसे ज्यादा नकल कहां होती है..?

छात्र : सर, वॉट्सएप पर

टीचर : शाबाश, लो 10 में 10 नंबर

\*\*\*\*\*

छात्र : सर जी..

टीचर : हां बोलो

छात्र : मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी मुझे सजा देंगे..?

टीचर : नहीं, बिल्कुल नहीं!

छात्र : मैंने आज होमवर्क नहीं किया...

\*\*\*\*\*

ट्रैफिक पुलिस: चालान काटना पड़ेगा, बताइए नाम बताइए ...

बंदा : याज्ञिकवल्क्यदास रामानुक्स्मीजणचार्य ययुत्सु

ट्रैफिक पुलिस: अब की बार छोड रहा हूँ, फिर कभी सिग्नल तोडना नहीं

## FATHER

A father is a gift of god

He becomes most like a friend

He is always behind you,

He is always sensitive to your needs,

He just has that special touch.

It is no wonder than dad ,

Just like you were too.

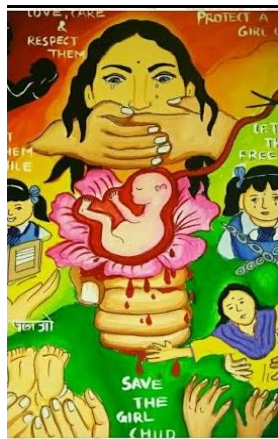
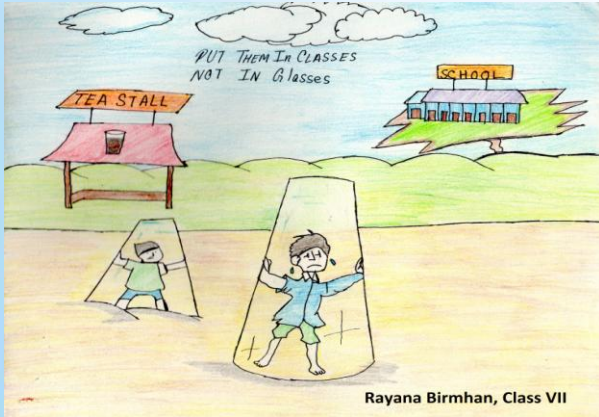
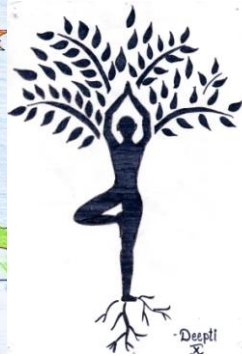
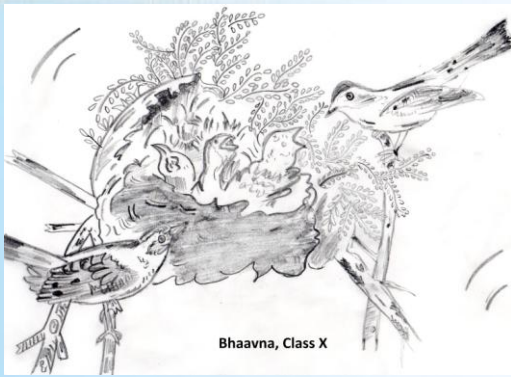
No matter what you do.

When you get older,

Why you are lover so much.

- KARMVEER TAILOR  
CLASS-VI

# नन्ही तूलिका से



## “Cyber Security Awareness: Be SMART”

- Satish Soni, PGT (Computer Science)



S	Stay <b>SAFE</b> online by not sharing your personal information.
M	Do not <b>MEET</b> anyone who you have only been in touch with online.
A	Do not <b>ACCEPT</b> files, electronic-mails, messages and friend requests from people you don't know.
R	Check the website is <b>RELIABLE</b> or not.
T	<b>TELL</b> your parents or a trusted adults if someone or something makes you feel uncomfortable.

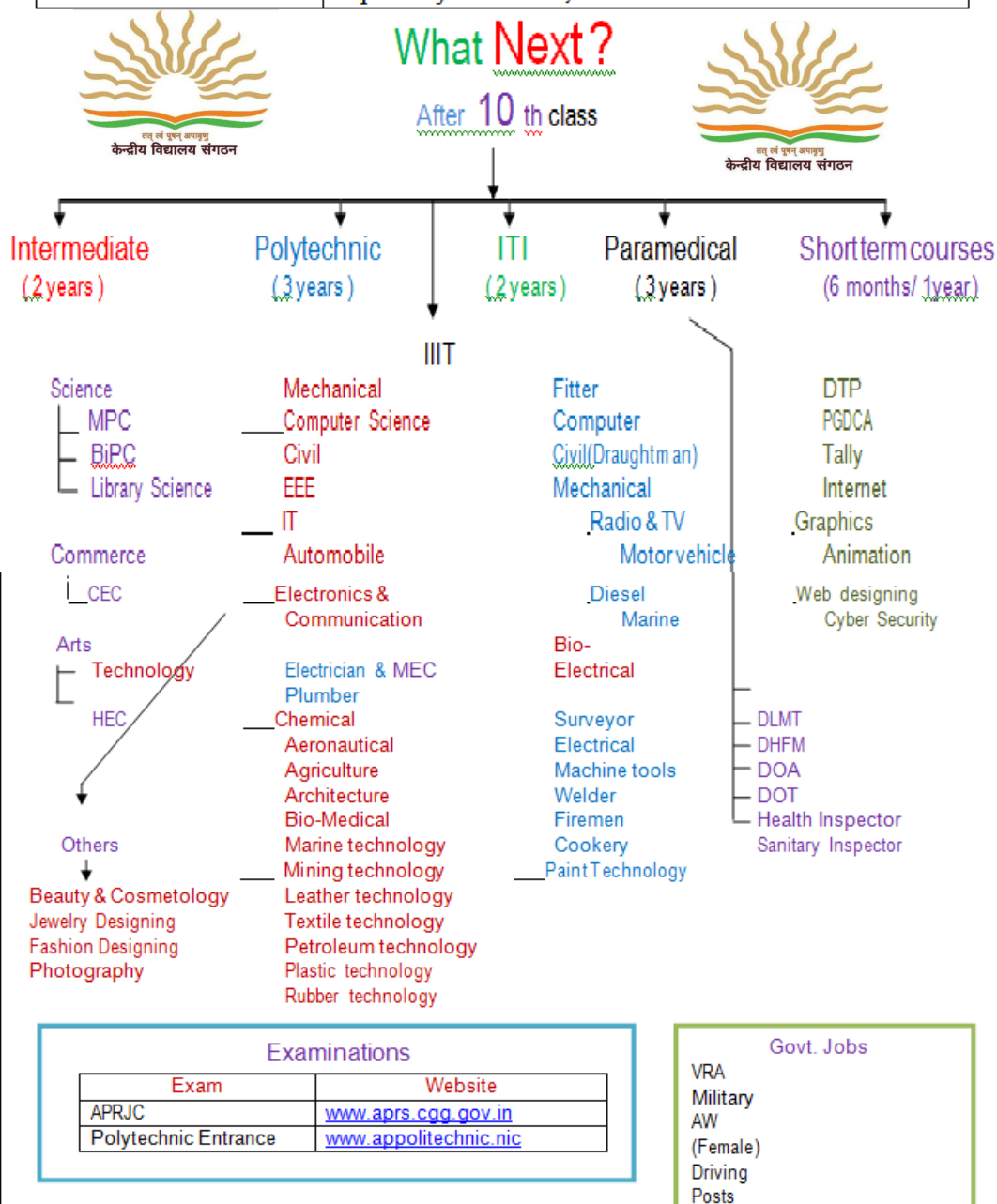
1. Get the basic knowledge of computer and internet security from cyber experts or on the internet by doing various free online courses.
2. Always check email messages carefully before sending personal or private information.
3. Don't give and use debit card and credit cards on the websites without HTTPs and padlock icon.
4. Never give online banking, mobile money wallets information to anyone or suspicious people on the internet and offline too.
5. Don't allow any website to use your location and allow sending you notification to your desktop.
6. Don't give any personal information, email accounts, mobile number to unknown people and less trusted websites on the internet.
7. Don't make friends you don't know offline. Be careful.
8. Don't click on pop ups, attractive messages.
9. Don't save personal information on the desktop while using public computer and internet especially in cyber cafés.
10. While doing checkout, transferring money, doing recharge online never save your debit card information on the website. Shopping Websites ask you to save your card details for next time. But don't do that!
11. When downloading software's and games on the internet make sure that you're using trusted websites.

## CAREER GUIDANCE AND COUNSELLING



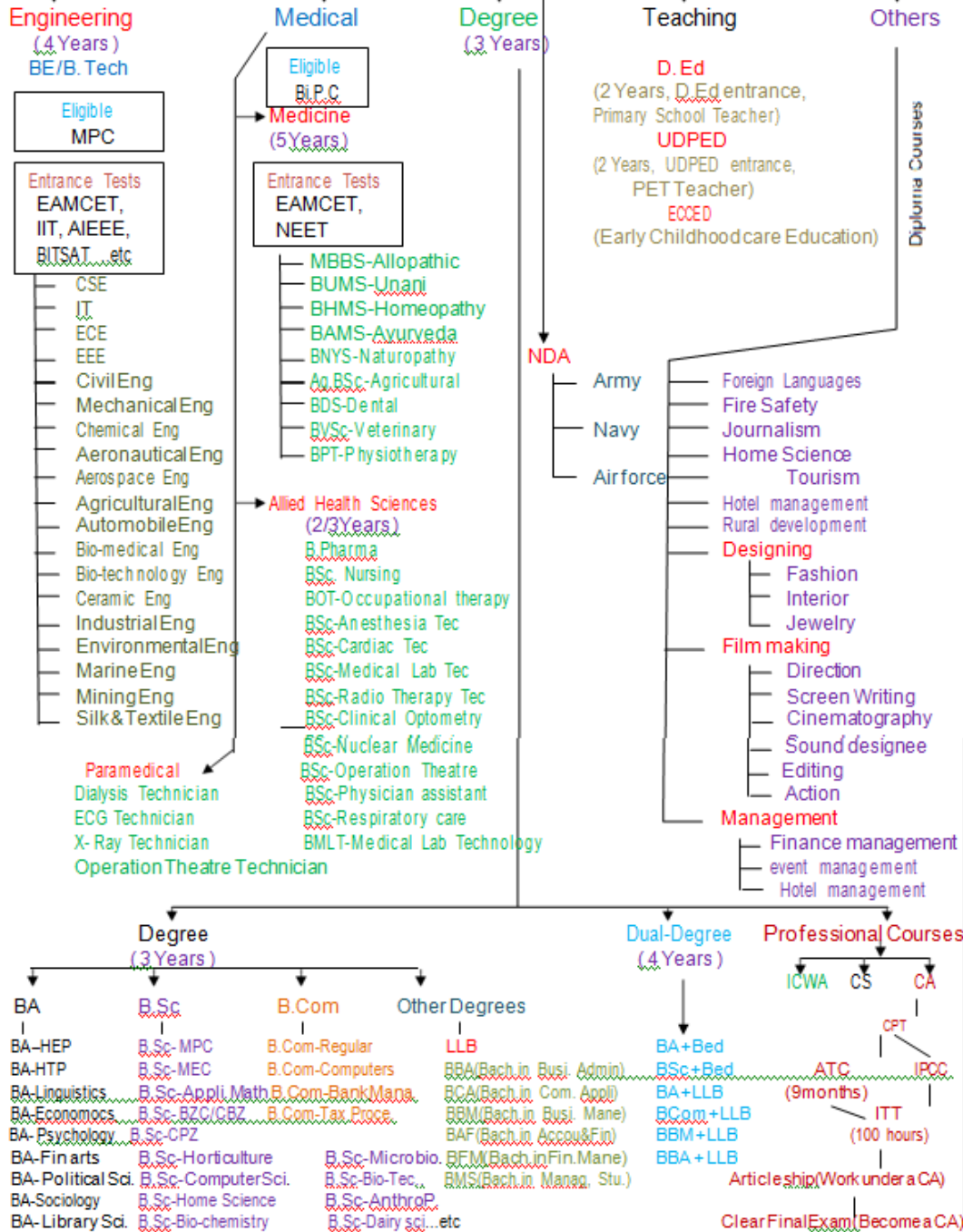
**Surendra Kumar Kanava**  
Librarian, K.V.Indrapura

To make the students enable to reach greater heights in life it is mandatory for them to know what they really want to become in life. For this, the Career Counselling should begin right from Class-X. A student must know which Stream/Course he is going to Opt in Class-XI; which will decide student's further Course of action in life. A child has a variety of career options through different courses after completion of Class-X, Class-XII, and Graduation. An elaborate detail of such courses is given below respectively for Class-X, Class-XII and Graduation students.

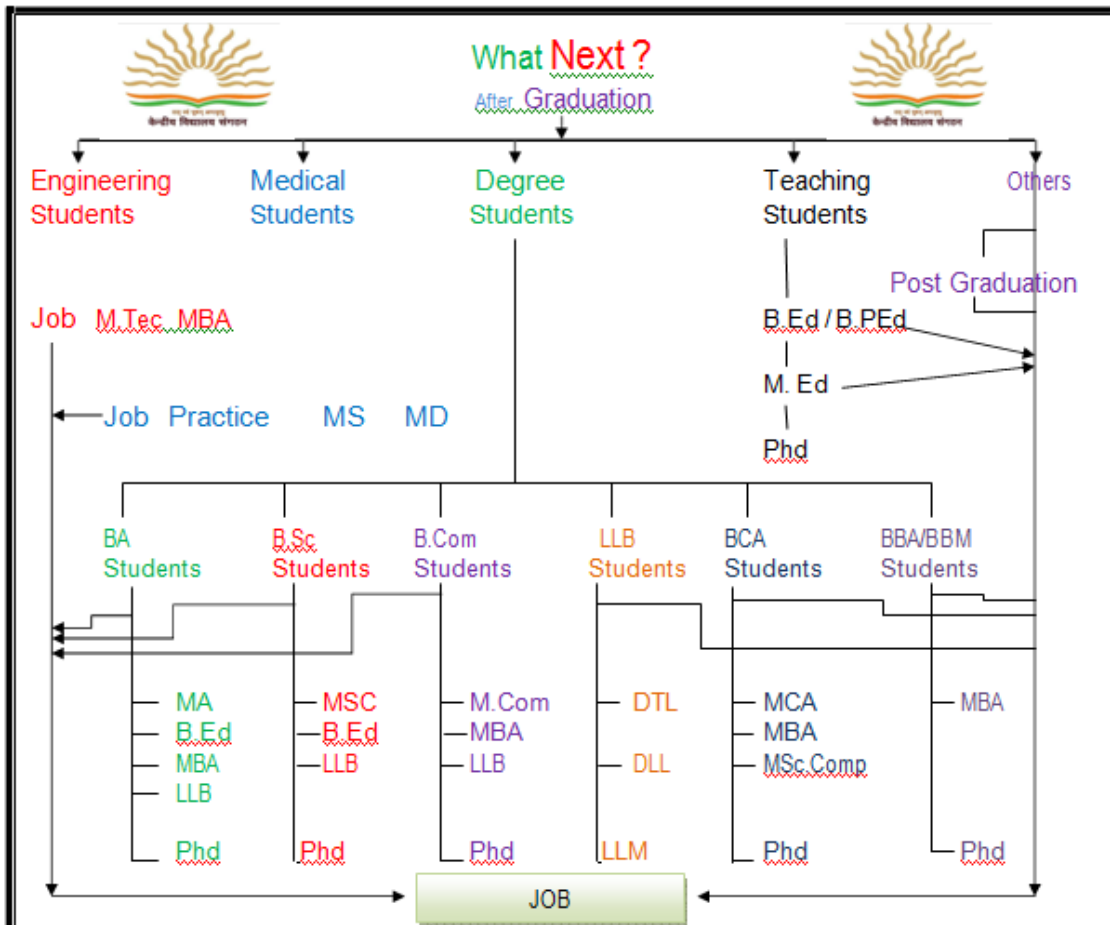




# What Next ? After Intermediate







Post Graduation Course	Eligibility
<u>MA Telugu</u>	Any degree with one subject Telugu
<u>MA English</u>	Any degree with one subject English
<u>MA Hindi</u>	Any degree with one subject Hindi
<u>MA Economics</u>	BA with Economics one of the sub.
<u>MA History</u>	BA with History one of the sub.
<u>MA Sociology</u>	BA
<u>MA Political Sci.</u>	BA
<u>MA Public Adm.</u>	BA
<u>MS. Public rel.</u>	BA
<u>M.Sc Computers</u>	<u>B.Sc Comp / B.Com Comp / BA Comp / BCA</u>
<u>M.Com</u>	<u>B.Com / BA with Commerce one of the subject.</u>
<u>MCA</u>	<u>BA/B.Sc with Maths.</u>
<u>MBA</u>	Any degree
<u>MA Archaeolog</u>	BA

Post Graduation Course	Eligibility
<u>M.Sc Maths</u>	<u>B.Sc / BA with one subject Maths</u>
<u>M.Sc Chemistry</u>	<u>B.Sc with Chemistry</u>
<u>M.Sc Botany</u>	<u>B.Sc with Botany</u>
<u>M.Sc Zoology</u>	<u>B.Sc with Zoology</u>
<u>M.Sc Physics</u>	<u>B.Sc with Physics</u>
<u>M.Sc Home Sci.</u>	<u>B.Sc with Botany + Zoology</u>
<u>M.Sc Anthrop</u>	<u>B.Sc with Zoology / BA</u>
<u>M.Sc Psychology</u>	Any degree
<u>M.Sc Bio-Chemis</u>	<u>B.Sc with one subject Chemi</u>
<u>M.Sc Bio-Tecno</u>	<u>B.Sc with one subject Bio-Tecnology</u>
<u>M.Sc Micro biolo</u>	<u>B.Sc with Zoology</u>
<u>MSc Virology</u>	<u>B.Sc with Zoology</u>
<u>MLIC</u>	<u>BLIC</u>
<u>LLM</u>	<u>BL / LLB</u>



## DREAMS



BHAAVNA, Class-X

Dream can come true.  
If you take the time to  
Think about what you want in life  
Get to know yourself.  
Find out who you are  
Choose your goals carefully.

Be honest with yourself  
Always believe in yourself.  
Find many interest and pursue them  
Find out what is important to you.  
Find out what you are good at  
Do not be afraid to make mistake.  
Work hard to achieve success  
When things are not going right.

Do not give up just try harder give  
Yourself freedom to try out now things  
Hough and love good time  
Open yourself up to level  
Take part in the beauty of nature be  
Appreciative of all that you have.

Help those less fortunate them you  
Work to words peace in the world  
Live life to the fullest  
Create your own dream and  
Follow them until they are reality.

## MY SCHOOL PROMISE

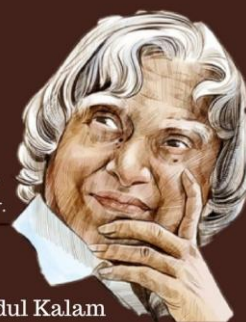


PRATEEK KUMAR , Class-XII

*Each day I will do my best,  
And I won't do any less.  
My work will always please me,  
And I won't accept a mess.  
I will color very carefully,  
My writing will be neat.  
And I will not be happy,  
Till my papers are complete.  
I'll always do my homework,  
And try my best on every test.  
I won't forget my promise,  
To do my very best.*

“

Books are my favorite friends and I consider my home library, with many thousand books, to be my greatest wealth. Every new book, based on some new idea inspires me and gives me a new thought to ponder.



— Dr. A.P.J. Abdul Kalam

You have to grow from  
the inside out. None can  
teach you, none can  
make you spiritual. There  
is no other teacher but  
your own soul.

Swami Vivekananda

